भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2077

07 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

हरित इस्पात उत्पादन

2077. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

डा. अमी याज्ञिक:

डा. एल. हनुमंतय्या:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार यह किस प्रकार सुनिश्चित करेगी कि हरित इस्पात उत्पादन में निवेश से शोषणकारी श्रम को बढ़ावा मिलने की बजाय रोजगार का सृजन हो, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास स्क्रैप्ड/पुनर्चक्रित इस्पात से उत्पादित इस्पात की उच्च गुणवत्ता की गारंटी के लिए कोई स्थायी योजना है; और

(ग) यदि हाँ, तो सरकार स्क्रैप्ड/पुनर्चक्रित स्रोतों से बने इस्पात की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए क्या मानदण्ड स्थापित करेगी और सरकार यह कैसे सुनिश्चित करेगी कि हरित और प्राथमिक इस्पात उत्पादक इसका अनुपालन करें?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): इस्पात मंत्रालय ने इस्पात क्षेत्र के अकार्बनीकरण की विभिन्न पद्धतियों पर चर्चा, विचार-विमर्श और सिफारिश करने के लिए उद्योग, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, एस एंड टी इकाइयों, विभिन्न मंत्रालयों तथा अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए 13 कार्यबलों का गठन किया है। कौशल विकास संबंधी कार्यबल का गठन हरित इस्पात के उत्पादन के लिए श्रमशक्ति के कौशल विकास, कौशल उन्नयन और पुनःकौशल विकास पर चर्चा करने के लिए किया गया है। इस प्रकार, इस्पात क्षेत्र में उचित बदलाव सुनिश्चित करना है।

(ख) और (ग): जी नहीं। वर्तमान में इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, सरकार ने स्क्रैप्ड/पुनर्चक्रित इस्पात के माध्यम से इस्पात की उच्च गुणवत्ता को बढ़ावा देने और इस्पात उत्पादकों द्वारा इसका पालन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(1) आम लोगों को गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित कराने के लिए, इनपुट सामग्री को विचार में रखे बिना इस्पात मंत्रालय ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के दायरे में 145 इस्पात और इस्पात उत्पादों के भारतीय मानकों को अधिसूचित किया है।

(2) इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति, 2019 इस्पात निर्माण में कोयले की खपत को कम करने के लिए स्वदेशी रूप से उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाती है।

(3) मोटर यान (यान स्क्रैपिंग सुविधा का रजिस्ट्रिकरण एवं कार्य) नियम सितंबर, 2021 इस्पात क्षेत्र में स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाएगा।

(4) इस्पात क्षेत्र ने आधुनिकीकरण एवं विस्तारीकरण परियोजनाओं में वैश्विक रूप से उपलब्ध श्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्योगिकियों (बीएटी) को अपनाया है।

****